purpose of cultivation of horticulture produce or the Agro-processing unit to hold beyond ceiling limit cultivable land on lease from the farmers for a period not exceeding 35 years or uncultivable land viz. Wasteland, fallow land, Khajan Khar land on ownership or on lease from a farmer or both combined.

(c) The State Government has been advised to reconsider their proposal in the light of the Guidelines on Ceiling on Agricultural Holdings drawn up on the basis of the conclusions arrived at in the Chief Ministers' Conference held in July, 1972.

Production of Groundnut Linseed Rapeseed and Soyabean

4265. SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a)what is the total production of groundnut
linseed, rapeseed, and Soyabean in Maharashtra and Punjab;

(b) whether the scheme of giving boost to oilseed production are showing results in these States;

(c) the other States, where these schemes are showing results;

(d) what is the target for Maharashtra in oilseed production for the current year; and

(e)what is the response of Maharashtra and Punjab Governments to the central Schemes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE. (SHRI S. KRISHNA KUAMR): (a) The total production of groundnut, linseed, rapeseed-mustard and soyabean in Maharashtra and Punjab for the year 1992-93 was as under;—

(Thousand Tonnes)

	Ground nut	Lins eed	Rapseed & Soyabean
Maharashtra		28.3	2.0
Punjab	120	0.4	66.0

(b) There has been a distinct improvement in the production of total oilseeds in Maharashtra state. However in Punjab, there is slow oilseeds improvement in the production of

(c) As a result of the implementation of Centrally Sponsored Oilseeds Production Programme (OPP), the production of oilseeds has increased in the states of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Haryana, Kamataka Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu and West Bengal.

(d) A production target of 27 lakh tonnes has been fixed by the Maharashtra state for oilseeds for the year 1994-95.

(e) The Maharashtra State is implementing Oilseeds Production Programme (OPP) in 27 districts in the state and increasing its production. However, Punjab State is concentrating only on promoting the cultivation of Sunflower & Rapeseed-Mustard. The response from both these states is encouraging.

बाढ़-नियंत्रण के लिए विशेष योजना का बनाया जाना

4266. श्री रामजी लाल: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रति वर्ष आने वाली बाढ़ को नियंत्रित करने के संबंध में कोई विशेष योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या योजना आयोग ने इस योजना को राष्ट्रीय विकास परिषद् (एन.डी.सी.) की दिसम्बर में होने वाली बैठक में स्वीकृत कराये जाने के लिए मंजूरी दे दी है;

(घ) यदि हां, तो इस योजना पर कितना खर्च आएगा जिससे कि बाढ़ के कारण होने वाले नुकसान को रोका जा सके; और

(ङ) हाल ही में आई बाढ़ को रोकने के लिए सरकार ने कितनी धनराशि प्रदान की है और विशेषकर हरियाणा के संदर्भ में उसका ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम): (क) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

Unhealthy Living Conditions of Earthquake Victims

4267. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: SHRIMATI KAMLA SINHA: DR. BAPU KALDATE:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the unhealthy living conditions of the earthquake

victims in Latur and Osmanabad who are threatened with fatal diseases including cholera and plague;

(b) if so, whether Government have conducted any recent survey to know the living conditions of the earthquake survivors and inadequacies of the medical and other civic facilities;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) the measures taken by Government in this direction?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE. (SHRI ARVIND NETAM): (a) Government of Maharashtra has reported that there are no unhealthy living conditions nor any threat of fatal diseases in the areas affected by earthquake in September, 1993.

(b) and (c) Do not arise.

(d) The measures taken by the State Government to ensure healthy living conditions and to prevent epidemics in the affected areas include:

1. Arrangements for disposal of sullage water and hygienic maintenance of drainage system;
2. Regular visits by medical teams to villages to impart health education, treat minor ailments and undertake house to house surveys;
3. Monitoring through weekly reporting on communicable diseases and health measures.

नव-आविष्कृत कृषि-उपकरणों का प्रयोग

4268. श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:
श्री ईश दत्त यादव:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में आविष्कार किए गए नये कृषि उपकरणों का बहु-आयामी उपयोग का कार्य संतोषजनक ढंग से नहीं हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान कौन-कौन से कृषि उपकरणों का आविष्कार किया गया है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस.कृष्ण कुमार):

(क) जी, नहीं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने संस्थानों और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाओं के माध्यम से कृषि इंजीनियरी पर बड़ा जोर दिया है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान जुताई से लेकर गहाई तक के सभी कार्यों के लिए विकसित किए गए कृषि यंत्रों/उपस्करों का ब्यौरा संक्षेप में नीचे दिया गया है:

जुताई में काम आने वाले यंत्र:

1. गीली जुताई के लिए हायड्रो टिलर।
2. सी.आई.ए.ई. का बहुउद्देशीय टूल फ्रेम जिसमें जुताई, मेड़बंदी, निराई-गुड़ाई व मंगफूली की बुवाई करने वाले यंत्र लगाए जा सकते हैं।
3. ट्रैक्टर चालित पी.टी.ओ. हैरो।
4. ट्रैक्टर चालित रोपाई यंत्र।
5. बैल द्वारा खींचा जाने वाला तवेदार हैरो व गीली जुताई वाला यंत्र।
6. ट्रैक्टर चालित मिट्टी के ढेले तोड़ने वाला यंत्र।

बुवाई में काम आने वाले यंत्र:

1. बैल द्वारा खींचे जाने वाले बीज एवं उर्वरक ड्रिल।
2. सरसों, बाजरा जैसे छोटे बीजों के लिए बीज एवं उर्वरक ड्रिल।
3. धान, ज्वार आदि के लिए बैल एवं ट्रैक्टर चालित बीज एवं उर्वरक ड्रिल।
4. देशी हलों के साथ जोड़ने के लिए सी. आर. आई.डी.ए. वाले बीज एवं उर्वरक ड्रिल जो बैलों से खींची जाती है।
5. हस्तचालित धान रोपाई यंत्र, ट्रैक्टर से चलने वाले व स्वचालित धान रोपाई यंत्र।
6. ट्रैक्टर चालित गन्ने के पोरे काटने और रोपने वाला यंत्र।
7. ट्रैक्टर चालित आलू रोपाई यंत्र।

निराई-गुड़ाई के यंत्र:

1. गुड़ाई के लिए हस्तचालित "हो"।
2. निराई-गुड़ाई एवं बुवाई के लिए पहियेदार "हो"।

छिड़काव के यंत्र:

1. कपास के लिए स्वाचालित यंत्र (स्प्रेयर)।
2. बैटरी चालित कम आयतन वाला छिड़काव यंत्र (स्प्रेयर)।